परमेश्वर उनको बचाता है, जो उसके साथ चलते हैं जैसे नूह

जो बच्चों को पढ़ाते हैं वे पढ़ें अध्ययन एस 1 ब

प्रार्थना : "हे पिता हमें बचाने वाले, उन लोगों को भी बचायें जिनके साथ हम आपके शुभ समाचार को बाँटते हैं। हमें बुराइ से बचा जब कि हम यीशु की प्रतीक्षा करते हैं वापिस आने की और मृत्यु से बचाने की।"

1. अपने झुंड को उद्धार के आनन्द के लिये तैयार करें और पापियों को उद्धारकर्ता के पास लाने की प्रेरणा की तैयारी करें।

पीछे से उत्पति 6:5 में से पढ़ें 9:19 के द्वारा नूह की कहानी

उत्पति 6:5-13 में खोजें परमेश्वर ने उन लोगों को नष्ट क्यों किया जिनको उसने बनाया था।

उत्पति 6:8-9 में खोजें परमेश्वर ने नूह और उसके परिवार को ही क्यों बचाया।

उत्पति 6:13-22 में खोजें परमेश्वर ने नूह और उसके परिवार को बड़ी बाढ़ से कैसे बचाया।

(उत्तर: नूह और उसके परिवार ने एक जहाज़ बनाया और उसमें प्रवेश किया और इस प्रकार से वे नहीं डूबे। इब्री शब्द जहाज का मतलब है बड़ी किश्ती। नूह का जहाज़ एक बहुत बड़ा संदूक था जो किश्ती की तरह तैरता रहा)

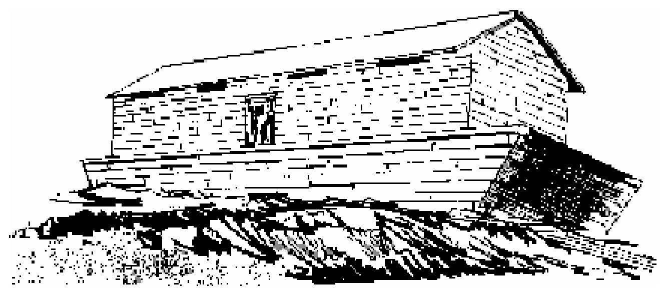

लूका 24:46-48 में उन तीन वस्तुओं को खोजें जो जीवित यीशु ने हमें आज्ञा दी है पूरे देशों को बताने की।

(उत्तर: यीशु की मृत्यु उसका जी उठना, और परमेश्वर की क्षमा उन सब के लिये जो पश्चात्ताप करते हैं)

लूका 24:46 में खोजें दो बड़े कार्य जो यीशु ने हमें बचाने के लिये किये।

(उत्तर: 1) उसके लहू बहाने से हमें पापों की क्षमा मिली 1यूहन्ना 1:7 2) उसके जी उठने के द्वारा उसने हमें नया पवित्र अनन्त जीवन दिया। रोमियो 6:3-14)

खोजें...1) इफिसियों 2:6 किस दिन में हम स्वर्ग मे उठाये जायेंगें? 2) 1 कुरिन्थियों 12:1-13 के अन्दर खोजें हमें किसने यीशु के अविनाशी शरीर में रखा 3) 1 कुनिन्थिओं 15:21-23 किसके द्वारा हमारा जी उठना हुआ। 4) रोमियों 6:3-14 के अंदर हमें किसमें मरना है, कि हम नये, पवित्र जीवन में जीवित हों। 5) 1 पतरस 3:18-22 के अन्दर जहाज़ कैसे यीशु के जीवित शरीर को दर्शाता है।

(उत्तर:1) यीशु 2)पवित्र आत्मा. 3) यीशु 4) पाप. 5) नूह का बड़ा जहाज़ यीशू की जीवित देह को दर्शाता है क्योंकि जैसे यीशु की देह उस साधन की तरह है जिसमें जो परमेश्वर के साथ चलते हैं मृत्यु को धोखा दें। हम मसीह में जीवित हुये उसके अविनाशी शरीर में, उस नये, पवित्र और अनन्त जीवन के लिये, यीशु ही हमारा जहाज़ है।)

1 पतरस 3:21 में खोजें बपतिस्मे के दो पहलू जो पतरस ने बतायें।

(उत्तर: 1) मांस का धोना पानी से 2) एक साफ अंतरात्मा)

वे कौन से दो पहलू हैं बपतिस्मे के जो हमें उद्धार की तरफ ले जाते हैं, शारीरिक पानी या आत्मिय सफाई परमेश्वर की तरफ से।

(उत्तर: पतरस ने ये सफाई से बताया है कि हमारा उद्धार शरीरों की धूल को शरीरिक रीति से धोने

के द्वारा नहीं हुआ है, परन्तु यीशु के जी उठने के द्वारा जिसमें वे जिनके पास अच्छी अंतरात्मा है परमेश्वर के साथ भागी है एक अच्छी अंतरात्मा चाहती है विश्वास और पश्चात्ताप यूहन्ना 3:16, प्रेरितों के काम 2:38)

उत्पत्ति 17:19-22 में खोजें कि परमेश्वर ने लूत और उसकी बेटियों को कैसे बचाया जन स्वर्गदूतों ने सदोय और अमोशह के शहरों को नष्ट किया। उत्तर: स्वर्गदूतों ने उन्हें शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर भेज दिया।

2 पतरस 2:4-9 में खोजें दो उद्धार की घटनाएँ शरीरिक मृत्यु से जिसमें पतरस ने दर्शाया कि परमेश्वर कैसे विश्वासियों को आत्मिक मृत्यु और अंतिम फैसले से बचाता है।

(उत्तर: 1) परमेश्वर ने नूह और उसके परिवार को बड़ी बाढ़ से बचाया 2) परमेश्वर ने लूत और उसके परिवार को बड़ी आग से बचाया)

निर्गमन 14:21-31 में खोजें परमेश्वर ने कैसे इस्राएलियों को बचाया।

(उत्तर: उसने समुंद्र को विभाजित किया ताकि वे निकल सकें, और बाद में मिस्री सेना को डुबो दिया जो उनका पीछा कर रहे थे उसी समुंद्र के अन्दर।)

उन वस्तुओं को ढूंढो जिसके द्वारा यीशु ने उन लोगों को बचाया जिन्होंने उस पर विश्वास किया। 1) लूका 7:36-50 पाप से भरे लोग। 2) मत्ती 4:23-25 बीमार 3) मरकुस 6:34-42 भूखे लोग 4) मरकुस 5:1-15 दुष्टात्मा ग्रस्त 5) लूका 7:11-16 वे जो मर गये। 6) लूका 17:12-19 अपवित्र।

(उत्तर: 1) उसने उनके पापों को क्षमा किया 2) उन्हें चंगा किया 3) यीशु ने थोड़े से भोजन को बढ़ाया और बहुतों के खिलाया 4) उसने लोगों को दुष्टआत्माओं से बचाया 5) कभी उसने लोगों को मृतकों में से जिन्दा किया 6) उसने कोढ़ियों को साफ किया जिन्होंने उस पर विश्वास किया।)

इन सभी पुस्तकों में खोजें उन वस्तुओं को जो यीशु उन के लिये करता है जो उस पर विश्वास रखते हैं: 1) यूहन्ना 6:39-47 2) मत्ती 25:31-40 3) 1 थिस्सलुनीकियों 1:8-10 4) कुलुस्सियों 2:15

(उत्तर: 1) मृतक विश्वासियों को कर्ब से अनन्त जीवन की ओर जिला उठाया 2) सारे विश्वासियो को वापस आने पर इनाम देगा 3) परमेश्वर के क्रोध से हमे बचाना 4) शैतानी शक्तियां)

देखें कि परमेश्वर हमे उद्धार देने के लिये हमे क्या करना चाहिये 1) इफिसियों 2:8-10 2) प्रेरितों के काम 2:37-38 3) 1 थिस्सलुनीकियों 1:8-10 4) इब्रानियोंं 5:7-9

(उत्तर: 1) विश्वास 2) पश्चात्ताप 3) यीशु की प्रतीज्ञा करना स्वर्ग से आने की 4) यीशु की आज्ञा मानना।)

2. आने वाले सप्ताह की क्रियाओं को सहकर्मियों के साथ मिलकर योजना बनायें।

उन लोगों के घर जायें जो आपकी सभाओं में आते हैं और उन्हें बचने के लिये आमंत्रित करें।

बीमारों से मिलें, जो अपना साहास खो चुके हैं, दबे हुये और उनके लिये प्रार्थना करें कि प्रभु उन्हें उनकी मुसीबतों से बचाये।

3. अपने सहकर्मियों के साथ अगली आराधना सभा की योजना बनायें।

बतायें या करें नूह की कहानी

बतायें कि परमेश्वर लोगों को कैसे बुरी वस्तुओं से बचाता है (देखें भाग 1 ऊपर)

समझायें आज भी लोग कैसे सदा के लिये बच सकते हैं। बच्चों को उस नाटक को प्रस्तुत करने दें जिसका उन्होंने अभ्यास किया है। उन्हें श्रोताओं से प्रश्न पूछने दें जो उन्होंने तैयार किये हैं।

विश्वासियों को छोटे समूह बनाने दें ताकि वे अपने मित्रों और सम्बन्धियों के उद्धार के लिये प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन समूहों को जिन पर कोई ध्यान नहीं देता तुम्हारे देश में उन्हें बचाये।

याद करें मिलकर 1 पतरस 3:21–23

प्रभु भोज को बताने के लिये संक्षिप्त में दोहरायें कि इस्राएलियों ने अपने दरवाजों को कैसे खून से रंगा और बच गये उस मृत्यु दूत से जिसने मिस्रियों के पहिलोठे को मार डाला। निर्गमन 12:1–14 बतायें कि हम अब कैसे बच गये हैं विश्वास के द्वारा जो प्रभु यीशु के लहू में हैं जिसके द्वारा हम प्रभु भोज में भागीदार बन गये हैं।